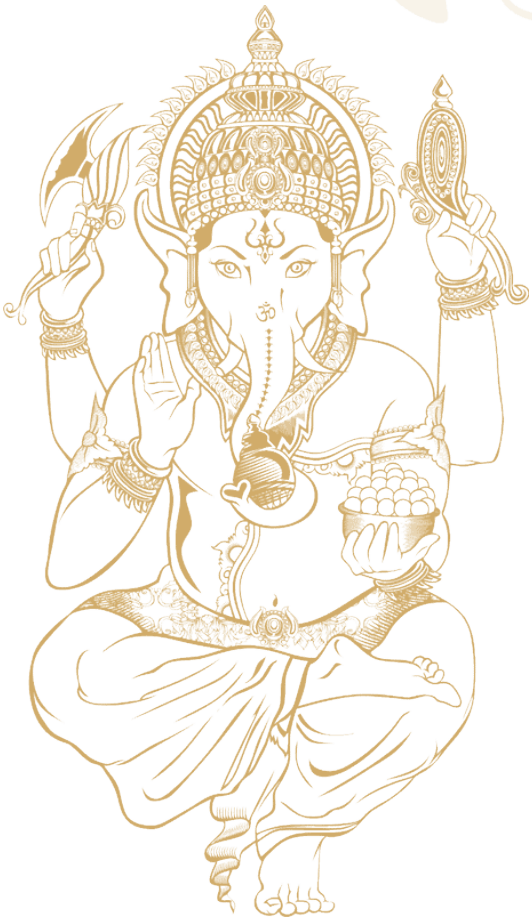

Deepak Bhumika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120004801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120004801 Date: 04/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/05/1997	जन्म तिथि	13/11/1999
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:50:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 29:26:40	जन्म समय(घटी)	08:37:27 घटी
India	देश	India
Howrah	स्थान	Ladnun
22:35:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
88:20:00 पूर्व	रेखांश	74:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:32:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:03:19	सूर्योदय	06:51:23
18:04:10	सूर्यास्त	17:41:30
23:49:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03
तुला	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	धनु
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
शनि	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
वैधृति	योग	शूल
कौलव	करण	बालव
दू-दूधेश्वर	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 0मा 24दि		03:26:57	तुला	लग्न	वृश्चि	26:36:43	शुक्र 8वर्ष 9मा 30दि	
बुध		19:14:33	मेष	सूर्य	तुला	26:27:34	मंगल	
28/05/2015		03:59:18	मीन	चंद्र	धनु	20:46:40	12/09/2024	
27/05/2032		23:06:52	सिंह	मंगल	धनु	26:10:11	13/09/2031	
बुध	24/10/2017	06:43:35	मेष व	बुध व	वृश्चि	02:50:44	मंगल	08/02/2025
केतु	21/10/2018	25:57:49	मक	गुरु व	मेष	03:27:48	राहु	27/02/2026
शुक्र	21/08/2021	27:15:11	मेष	शुक्र	कन्या	10:29:31	गुरु	03/02/2027
सूर्य	27/06/2022	20:31:27	मीन	शनि व	मेष	19:19:09	शनि	14/03/2028
चन्द्र	27/11/2023	04:09:18	कन्या	राहु व	कर्क	12:53:13	बुध	11/03/2029
मंगल	23/11/2024	04:09:18	मीन	केतु व	मक	12:53:13	केतु	07/08/2029
राहु	12/06/2027	14:48:55	मक	हर्ष	मक	19:11:51	शुक्र	07/10/2030
गुरु	17/09/2029	06:08:17	मक व	नेप	मक	07:59:21	सूर्य	12/02/2031
शनि	27/05/2032	10:59:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:43:46	चन्द्र	13/09/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:09 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:03

लग्न-चलित

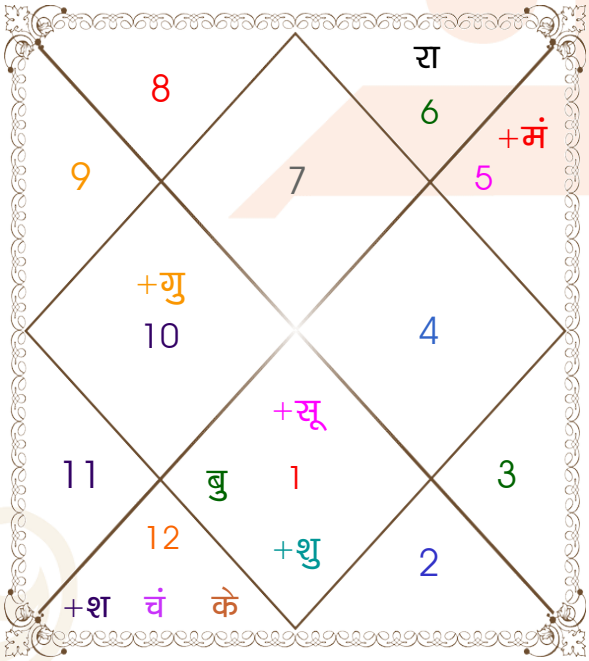

लग्न-चलित

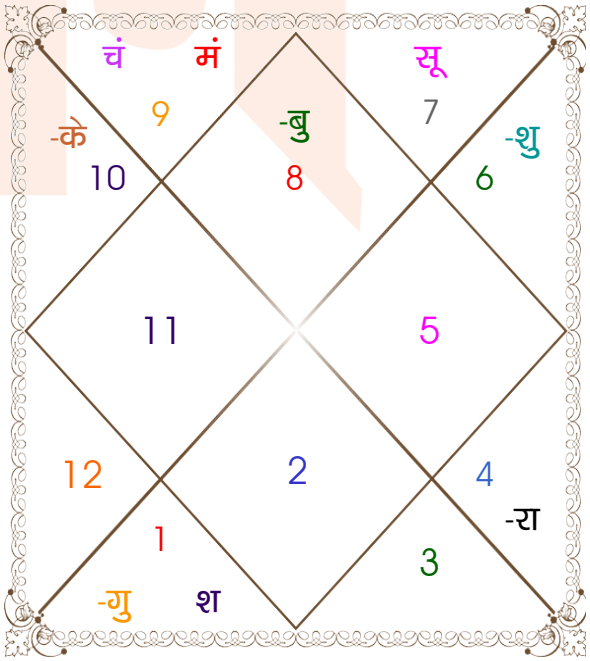

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

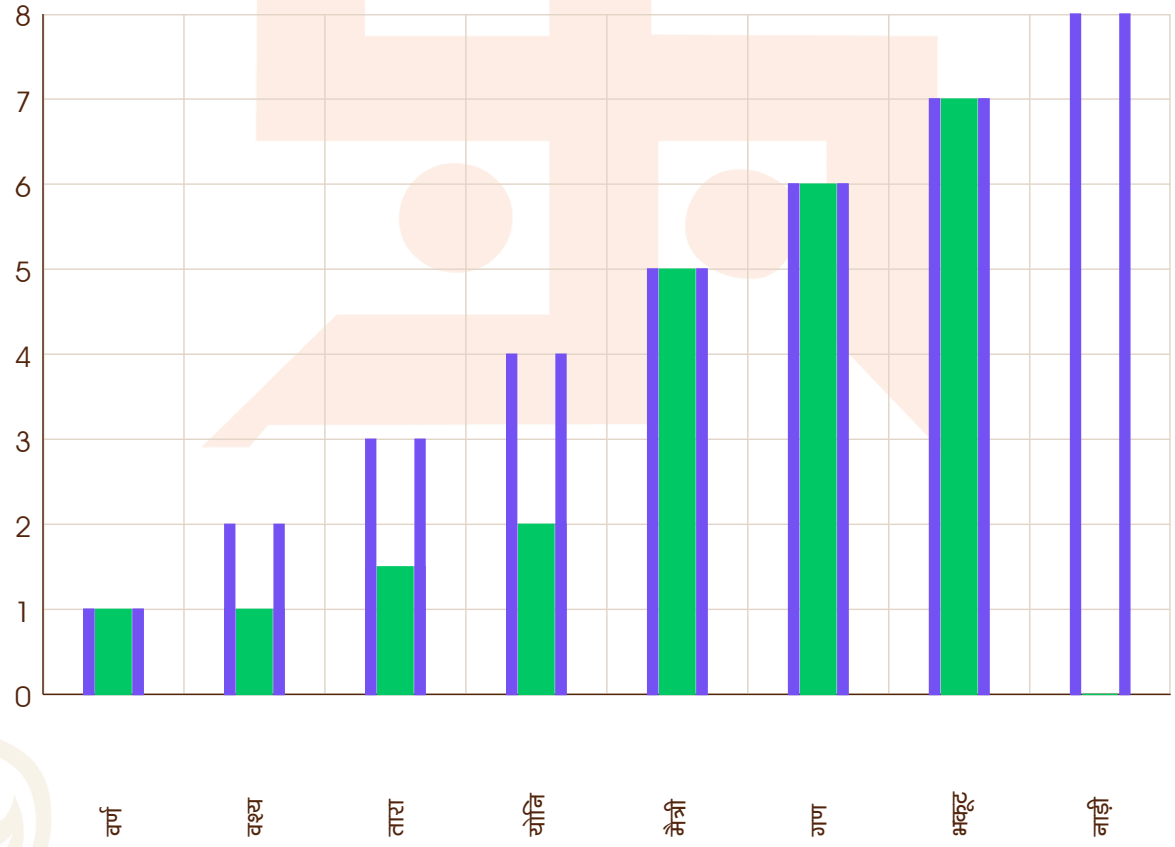

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Deepak का वर्ग सर्प है तथा ठीनउपां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और ठीनउपां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ठीनउपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Deepak तथा ठीनउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Deepak का वर्ण ब्राह्मण तथा ठीनउपां का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से ठीनउपां में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर ठीनउपां आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। ठीनउपां सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Deepak का वश्य जलचर है एवं ठीनउपां का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Deepak की तारा वध तथा ठीनउपां की तारा क्षेम है। Deepak की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Deepak बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Deepak को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु ठीनउपां लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Deepak की योनि गौ है तथा ठीनउपां की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Deepak एवं ठीनउपां दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Deepak एवं ठीनउपां दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Deepak का गण मनुष्य तथा ठीनउपां का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Deepak से ठीनउपां की राशि दशम भाव में स्थित है तथा ठीनउपां से Deepak की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Deepak एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। ठीनउपां को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। ठीनउपां हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Deepak की नाड़ी मध्य है तथा ठीनउपां की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Deepak एवं ठीनउपां का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Deepak की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ठीनउपां की राशि अग्नि तत्व युक्त चन्द्र है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि Deepak और ठीनउपां के मध्य स्वाभाविक प्रवृतियों में किंचित असमानता होगी परन्तु सामंजस्य स्थापित करने में ये समर्थ होंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

Deepak एवं ठीनउपां की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी। वे एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। अतः Deepak और ठीनउपां का दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Deepak और ठीनउपां की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है अतः इसके प्रभाव से Deepak और ठीनउपां एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों को अर्जित करके सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा त्याग का भाव भी रहेगा जिससे आत्मिक संबंधों में गहनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Deepak का वश्य जलचर तथा ठीनउपां का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमे नैसर्गिक विषमता के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेगी। फलतः कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ नहीं होंगे।

Deepak का वर्ण ब्राह्मण तथा ठीनउपां का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Deepak की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में रहेगी तथा ठीनउपां पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी। अतः परस्पर सन्तुष्टि का भाव रहेगा।

धन

Deepak और ठीनउपां दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Deepak और ठीनउपां दोनों की नाड़ी मध्य है। यद्यपि इससे नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों विभिन्न नक्षत्रों में उत्पन्न हुए है तथा उनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष से ये दोनों मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से Deepak और ठीनउपां दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में सफल होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में Deepak और ठीनउपां सफल रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Deepak और ठीनउपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Deepak और ठीनउपां के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ठीनउपां के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ठीनउपां को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ठीनउपां को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Deepak और ठीनउपां सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Deepak और ठीनउपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ठीनउपां के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी ठीनउपां को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त

होगी। अतः ठीनउपां को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ ठीनउपां के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से ठीनउपां सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Deepak के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Deepak भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Deepak के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Deepak के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।